**Unified Annual Syllabus** (एकीकृत वार्षिक पाठ्यक्रम) **: Philosophy-** दर्शनशास्त्र

बी.ए. – प्रथम वर्ष –2017–2018

# B.A. First Year - 2017-18

प्रथम प्रश्न पत्रः सामाजिक एवं राजनीतिक दर्शन

## PAPER- I: Social and Political Philosophy

इकाई 1– समाज एवं राजदर्शन की प्रकृति एवं क्षेत्र, समाजशास्त्र एवं नीतिशास्त्र से राजदर्शन का संबंध।

Unit I- Nature and scope of Social and Political Philosophy, Relation of Political Philosophy with Sociology & Ethics.

इकाई 2–व्यक्ति, समाज, संस्कृति तथा राज्य।

Unit II-Individual ,Society, Culture and State

इकाई 3–सामाजिक संस्थाएँ एवं व्यवस्थाएँ – वर्ण एवं आश्रम व्यवस्था, परिवार, विवाह, शिक्षा एवं धर्म।

Unit III -Social Institutions and systems: Varna and Ashram, Family, Marriage, Education and Religion.

इकाई 4– राजनैतिक विचारधाराएँ– प्रजातंत्र, साम्यवाद, समाजवाद, फासीवाद एवं सर्वोदय।

Unit IV- Political Ideologies – Democracy, Communism, Socialism, Fascism and Sarvodaya.

इकाई 5– राजनैतिक क्रियाविधियाँ – संविधानवाद, क्रांतिवाद, आतंकवाद एवं सत्याग्रह।

Unit V- Political Methodologies- Constitutionalism, Revolutionism, Terrorism and Satyagraha

अंक वितरण(नियमित)

**Distribution of Marks (Regular)**

| | |
|---|---|
| 1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न<br>Objective questions: | 5 X 1 = 5 |
| 2) लघु उत्तरीय प्रश्न<br>Short answer questions: | 5 X 2½ = 12½ |
| 3) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न<br>Long answer questions: | 5 X 5 = 25 |
| Total: | 42 ½ |

अंक वितरण(स्वाध्यायी)

**Distribution of Marks (Private)**

| | |
|---|---|
| वस्तुनिष्ठ प्रश्न<br>Objective questions: | 5 X 1 = 5 |
| लघु उत्तरीय प्रश्न<br>Short answer questions: | 5 X 3 = 15 |
| दीर्घ उत्तरीय प्रश्न<br>Long answer questions: | 5 X 6 = 30 |
| Total: | 50 |

नोटः दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों में प्रत्येक 42 ½ अंकों का होगा तथा सतत् व्यापक मूल्यांकन 5 अंक त्रैमासिक एवं 10 अंक छः माही के होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्नपत्रों के कुल अंक 100 होंगे।

Note: The two Theory Papers will carry maximum marks 42½ each and CCE (05 marks quarterly and 10 marks half yearly) will be of 15 marks. Thus total of both papers will be of 100 marks.

अनुशंसित पुस्तकें (Recommended Books)


1. समाज एवं राजदर्शन – डॉ. शिवभानु सिंहः, किताब घर, इलाहाबाद।
2. समाज दर्शन का सर्वेक्षण – डॉ. संगम लाल पाण्डे, दर्शन पीठ, इलाहाबाद।
3. पाश्चात्य राजनीतिक विचारधाराएँ– के.एन. वर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना।
4. भारतीय राजनीतिक विचारक– पुखराज जैन, शिवलाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
5. सामाजिक एवं राजनीतिक आयाम– डॉ. हृदयनारायण मिश्रा, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद।


28.04.17 Chairman 28.04.17 28.4.17 28.4.17 28/04/2017 28/4/17 28/4/2017

बी.ए. – प्रथम वर्ष –2017–2018

**B.A. First Year - 2017-18**

द्वितीय प्रश्न पत्रः नीतिशास्त्र

**PAPER- II: Ethics**

इकाई 1– नीतिशास्त्र की परिभाषा, नीतिशास्त्र का स्वरूप एवं महत्व, नीतिशास्त्र का अन्य विज्ञानों से संबंध।

Unit I- Definition of Ethics, Nature of Ethics and its importance. Relation of ethics with other Sciences.

इकाई 2– नैतिक प्रत्यय– शुभ, उचित, कर्तव्य, अहिंसा, सद्‌गुण, स्वतंत्रता एवं उत्तरदायित्व।
नैतिक निर्णय– स्वरूप एवं विषयवस्तु।

Unit II- Moral Concepts – Good, Right, Duty, Non-Violence, Virtue, Freedom and Responsibility.
Moral judgments – Nature and subject matter.

इकाई 3– श्रीमद्‌भगवद्‌गीता का नीतिशास्त्र– निष्काम कर्मयोग, स्वधर्म
मनुस्मृति– साधारण धर्म
जैन नीतिशास्त्र– पंचमहाव्रत एवं त्रिरत्न

Unit III – Ethics of Srimad Bhagvad Gita – Nishkama Karmyoga, Swadharma.
Manusmiriti –Sadharan dharma.
Jain Ethics – Panch Mahavrat and Triratna.

इकाई 4– सुखवाद– मिल एवं बेन्थम
कांट का नीतिशास्त्र– कर्तव्य के लिए कर्तव्य, नैतिक सूत्र, निरपेक्ष आदेश

Unit IV- Hedonism – Mill and Bentham.
Ethics of Kant – Duty for Duty's sake, Moral Maxims, Categorical Imperative.

इकाई 5– अशुभ की समस्या– पाप एवं अपराध, दण्ड के सिद्धांत

Unit V- Problem of Evil, Sin and Crime, Theories of Punishment.

अंक वितरण(नियमित)

**Distribution of Marks (Regular)**

| | |
|---|---|
| 1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न<br>Objective questions: | 5 X 1 = 5 |
| 2) लघु उत्तरीय प्रश्न<br>Short answer questions: | 5 X 2½ = 12½ |
| 3) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न<br>Long answer questions: | 5 X 5 = 25 |
| Total: | 42 ½ |

अंक वितरण(स्वाध्यायी)

**Distribution of Marks (Private)**

| | |
|---|---|
| वस्तुनिष्ठ प्रश्न<br>Objective questions: | 5 X 1 = 5 |
| लघु उत्तरीय प्रश्न<br>Short answer questions: | 5 X 3 = 15 |
| दीर्घ उत्तरीय प्रश्न<br>Long answer questions: | 5 X 6 = 30 |
| Total: | 50 |

नोटः दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों में प्रत्येक 42 ½ अंकों का होगा तथा सतत्‌ व्यापक मूल्यांकन 5 अंक त्रैमासिक एवं 10 अंक छः माही के होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्नपत्रों के कुल अंक 100 होंगे।

Note: The two Theory Papers will carry maximum marks 42½ each and CCE (05 marks quarterly and 10 marks half yearly) will be of 15 marks. Thus total of both papers will be of 100 marks.

अनुशंसित पुस्तकें –

1. दिवाकर पाठक– भारतीय नीतिशास्त्र
2. शोभा निगम– नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत
3. जे. एन. सिन्हा– नीतिशास्त्र के मूल सिद्धांत
4. संगम लाल पाण्डेय– नीतिशास्त्र
5. वेदप्रकाश वर्मा– नीतिशास्त्र के मूल सिद्धांत

Recommended Books:

1. Dr. J.N Sinha - Manual of Ethics
2. S M. Joshi - Traditional Ethics
3. A.P Dubey - Applied Ethics

28.04.17 chairman

28-4-17

28.4.17

28.4.17

28/04/2017

28/04/17

28/4/2017

बी.ए. – द्वितीय वर्ष –2018–2019

**B.A. Second Year - 2018-2019**

प्रथम प्रश्न पत्रः भारतीय दर्शन

## PAPER- I: Indian Philosophy

इकाई 1– भारतीय दर्शन की प्रमुख विशेषताएँ। वैदिक एवं अवैदिक परम्परा, चार्वाक दर्शन– भौतिकवाद, ज्ञानमीमांसा

UnitI- Fundamental characteristics of Indian Philosophy,Vedic and Non Vedic traditions, Charvak Philosophy-Materialism, Epistemology

इकाई 2– जैन दर्शन– स्याद्वाद, अनेकान्तवाद, जीव– अजीव, बन्धन एवं मोक्ष।

Unit II.-Jain Philosophy-Syadvad, Anekantvad, Jiva-Ajiva, Bondage and Liberation(Moksha)

बौद्ध दर्शन – चार आर्यसत्य, क्षणिकवाद, अनात्मवाद

Buddhism-Four Noble truths, Momentarism, No soul theory.

इकाई 3– न्याय दर्शन – ज्ञानमीमांसा, प्रत्यक्ष, अनुमान , उपमान , शब्द

Unit III- Nyaya Philosophy-Epistemology, Perception, Inference, Comparison, Testimony

वैशेषिक दर्शन – सप्त पदार्थ , परमाणुवाद

Vaisheshika Philosophy- Seven Padarthas, Atomism.

इकाई 4– सांख्य दर्शन– सत्कार्यवाद , प्रकृति एवं पुरूष , विकासवाद

Unit IV- Sankhya Philosophy- Satkaryavad , Prakriti and Purusa , Theory of Evolution.

योग दर्शन – अष्टांग योग , ईश्वर , योग का महत्व

Yoga Philosophy-Ashtanga yoga, God, Importance of yoga

इकाई 5– अद्वैत वेदांत– शंकराचार्य, ब्रहम, जीव, जगत्, माया एवं मोक्ष।

Unit V- Advaita Vedanta-Shankaracharya, Brahma, Jiva , Jagat, Maya and Moksha.

विशिष्टाद्वैत– रामानुज, ब्रहम , जीव, जगत्, एवं मोक्ष , मायावाद का खण्डन

Vishistadvaita – Ramanuja – Brahma, Jiva, Jagat – Moksha, Refutation of Mayavada.

| अंक वितरण(नियमित) | | अंक वितरण(स्वाध्यायी) | |
|---|---|---|---|
| **Distribution of Marks (Regular)** | | **Distribution of Marks (Private)** | |
| 1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न | | वस्तुनिष्ठ प्रश्न | |
| Objective questions: | 5 X 1 = 5 | Objective questions: | 5 X 1 = 5 |
| 2) लघु उत्तरीय प्रश्न | | लघु उत्तरीय प्रश्न | |
| Short answer questions: | 5 X 2½ = 12½ | Short answer questions: | 5 X 3 = 15 |
| 3) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | | दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | |
| Long answer questions: | 5 X 5 = 25 | Long answer questions: | 5 X 6 = 30 |
| Total: | 42 ½ | Total: | 50 |

नोटः दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों में प्रत्येक 42 ½ अंकों का होगा तथा सतत् व्यापक मूल्यांकन 5 अंक त्रैमासिक एवं 10 अंक छः माही के होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्नपत्रों के कुल अंक 100 होंगे।

Note: The two Theory Papers will carry maximum marks 42½ each and CCE (05 marks quarterly and 10 marks half yearly) will be of 15 marks. Thus total of both papers will be of 100 marks.

अनुशंसित पुस्तकें – Recommended Books:

1 भारतीय दर्शन–दत्ता एवं चटर्जी, पुस्तक महल पटना
2 भारतीय दर्शन का अनुशीलन– चन्द्रधर शर्मा मोती लाल बनारसीदास, दिल्ली।
3 भारतीय दर्शन– एम. हिरियन्ना, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
4 भारतीय दर्शन – डॉ बी.एन. सिंह
5 An Introduction to Indian Philosophy- Dutta and Chatterjee, Pustak Mahal Patna.
6 Indian Philosophy- C.D. Sharma. Motilal Banarsidas, Delhi.
7 Indian Philosophy- M.Hiriyanna, Rajkamal Prakashan, Delhi.

28.04.17 Chairman  28.4.17  28.4.17  28.4.17  28/04/2017
28/4/2017  28/4/17

बी.ए. – द्वितीय वर्ष –2018–2019

## B.A. Second Year - 2018-2019

द्वितीय प्रश्न पत्रः पाश्चात्य दर्शन

## PAPER- II: Western Philosophy

इकाई 1– पाश्चात्य दर्शन का स्वरूप,सुकरातीय पद्धति ,प्लेटो– ज्ञान सिद्धांत , अरस्तू का कारणतावाद , द्रव्य एवं आकार

Unit I- Nature of Western Philosophy, Socratic Method, Plato- Theory of Knowledge. Aristotle's Theory of causation, Matter and Form.

इकाई 2– मध्ययुगीन दर्शन की विशेषताऐं, संत आगस्टाइन– ईश्वर एवं जगत का सम्बन्ध , संत अन्सेल्म– ईश्वर का स्वरूप, संत थामस एक्वीनास– ईश्वर का स्वरूप।

Unit II.-Characteristics of Medieval Philosophy- St. Augustine- Relation between God and World , St. Anselm- Nature of God, St. Thomas Aquinas- Nature of God.

इकाई 3– बुद्धिवाद का स्वरूप, डेकार्ट– सन्देह पद्धति, द्रव्य की परिभाषा , द्वैतवाद (शरीर एवं मन)
स्पिनोजा– द्रव्य विचार, गुण एवं पर्याय, समानान्तरवाद
लाइबनिज–चिद्बिन्दुवाद, पूर्व स्थापित सामंजस्य का सिद्धांत

Unit III- Nature of Rationalism, Descartes- Method of doubt, Definition of substance, Dualism (Body and Mind)
Spinoza- Concept of Substance, Attributes and Modes, Parellelism
Liebnitz- Monadology, Pre established Harmony theory

इकाई 4– अनुभववाद का स्वरूप, जान लॉक– जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन, ज्ञान मीमांसा
बर्कले– प्राथमिक एवं द्वितीयक गुणों के विभाजन का खण्डन, सत्ता दृश्यता है, आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद
डेविड हयूम– सन्देहवाद, आत्मा का खण्डन

Unit IV- Nature of Empiricism – John Locke- Refutation of innate ideas, Epistemology
Berkeley- Refutation of distinction between primary and secondary Qualities, Esse ist Percipii, Subjective idealism
David Hume- Scepticism, Refutation of self

इकाई 5–एमैनुअल कान्ट– समीक्षावाद , बुद्धि की कोटियॉं, देश एवं काल
हीगल – निरपेक्ष प्रत्ययवाद, द्वन्द्वात्मक पद्धति।

Unit V- Immanual Kant- Criticism, Categories of Understanding , Space and time
Hegel- Absolute Idealism, Dialectical Method.

अंक वितरण(नियमित)

**Distribution of Marks (Regular)**

| | |
|---|---|
| 1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न<br>Objective questions: | 5 X 1 = 5 |
| 2) लघु उत्तरीय प्रश्न<br>Short answer questions: | 5 X 2½ = 12½ |
| 3) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न<br>Long answer questions: | 5 X 5 = 25 |
| Total: | 42 ½ |

अंक वितरण(स्वाध्यायी)

**Distribution of Marks (Private)**

| | |
|---|---|
| वस्तुनिष्ठ प्रश्न<br>Objective questions: | 5 X 1 = 5 |
| लघु उत्तरीय प्रश्न<br>Short answer questions: | 5 X 3 = 15 |
| दीर्घ उत्तरीय प्रश्न<br>Long answer questions: | 5 X 6 = 30 |
| Total: | 50 |

नोटः दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों में प्रत्येक 42 ½ अंकों का होगा तथा सतत् व्यापक मूल्यांकन 5 अंक त्रैमासिक एवं 10 अंक छः माही के होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्नपत्रों के कुल अंक 100 होंगे।

Note: The two Theory Papers will carry maximum marks 42½ each and CCE (05 marks quarterly and 10 marks half yearly) will be of 15 marks. Thus total of both papers will be of 100 marks.

अनुशंसित पुस्तकें – Recommended Books:

1. पश्चात्य दर्शन – डॉ. चन्द्रधर शर्मा, मोती लाल बनारसीदास, दिल्ली
2. पश्चात्य दर्शन की रूपरेखा – डॉ. संगमलाल पाण्डेय– दर्शनपीठ इलाहाबाद
3. पश्चात्य दर्शन – डा. डी.आर. जाटव बुक डिपो, जयपुर
4. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन – जे.पी. शुक्ल (संपादक) म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
5. पाश्चात्य दर्शन के सम्प्रदाय – डॉ. शोभा निगम, शेखर प्रकाशन इलाहाबाद।
6. पाश्चात्य दर्शन – डॉ. बी.एन. सिंह, स्टूडेन्ट्स एण्ड कम्पनी, वाराणसी
7. पाश्चात्य दर्शन का इतिहास – डॉ. जे.पी अवस्थी, किताब घर कानपुर
8. Western Philosophy - Dr. C.D. Sharma, Motilal Banarasidas, Delhi
9. Western Philosophy - M. Hiriyanna, Rajkamal Prakashan, Delhi

28.04.17
chairman

28.4.17

28/4/2017

28.4.17

28.4.17

28/4/17

28/04/2017

**Unified Annual Syllabus (एकीकृत वार्षिक पाठ्यक्रम) : Philosophy- दर्शनशास्त्र**

बी.ए. – तृतीय वर्ष –2019–2020

**B.A. Third Year - 2019-2020**

प्रथम प्रश्न पत्रः आधुनिक तर्कशास्त्र

**PAPER- I: Modern Logic**

इकाई 1– तर्कशास्त्र का स्वरूप एवं परिभाषा, आगमन एवं निगमन पद्धति, तर्कवाक्य एवं उनके प्रकार, अनाकारिक तर्कदोष

UnitI- Nature and Definition of Logic, Inductive and Deductive Method, Proposition and its kinds, Informal fallacies.

इकाई 2– निरपेक्ष तर्कवाक्यों में गुण, परिमाण एवं पदव्याप्ति, युक्ति का स्वरूप, परम्परागत विरोध वर्ग, निरपेक्ष तर्कवाक्यों के मानक आकार।

Unit II.-Quality, Quantity and distribution of terms in Categorical propositions, Nature of Argument, Traditional square of opposition, standard form of categorical propositions.

इकाई 3– न्याय वाक्यों के नियम एवं तर्कदोष, न्याय युक्तियों के आकार एवं अवस्थाऐं, वेन रेखा चित्र पद्धति, तार्किक संयोजक – संयोजन, निषेध, वियोजन, आपादन, समतुल्यता, सत्यताफलन एवं सत्यता सारिणी।

Unit III- Rules and Fallacies of syllogism, moods and figures of syllogism, Venn Diagram Method, Logical Connectives- Conjunction, Negation, Disjuctions, Implication, Equivalence, Truth Function and Truth Table.

इकाई 4– कथन– सरल एवं मिश्रित, सत्यता एवं वैधता, पुनरूक्ति, सांयोगिक एवं व्याघाती कथन, मिल की विधियॉ

Unit IV- Statement- simple and Compound, Truth and Validity, Tautology, Contingent and contradictory statements, Methods of Mill.

इकाई 5– प्रक्कल्पना, वैज्ञानिक एवं अवैज्ञानिक व्याख्या, बौद्ध एवं न्याय दर्शन में अनुमान का स्वरूप एवं प्रकार, हेत्वाभास

Unit V- Hypothesis, Scientific and non scientific explanation, Nature and kinds of Inference in Buddhism and Nyaya Philosophy, Hetvabhasa.

| अंक वितरण(नियमित) **Distribution of Marks (Regular)** | | अंक वितरण(स्वाध्यायी) **Distribution of Marks (Private)** | |
|---|---|---|---|
| 1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न Objective questions: | 5 X 1 = 5 | वस्तुनिष्ठ प्रश्न Objective questions: | 5 X 1 = 5 |
| 2) लघु उत्तरीय प्रश्न Short answer questions: | 5 X 2½ = 12½ | लघु उत्तरीय प्रश्न Short answer questions: | 5 X 3 = 15 |
| 3) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न Long answer questions: | 5 X 5 = 25 | दीर्घ उत्तरीय प्रश्न Long answer questions: | 5 X 6 = 30 |
| Total: | 42 ½ | Total: | 50 |

नोटः दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों में प्रत्येक 42 ½ अंकों का होगा तथा सतत् व्यापक मूल्यांकन 5 अंक त्रैमासिक एवं 10 अंक छः माही के होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्नपत्रों के कुल अंक 100 होंगे।

Note: The two Theory Papers will carry maximum marks 42½ each and CCE (05 marks quarterly and 10 marks half yearly) will be of 15 marks. Thus total of both papers will be of 100 marks.

अनुशंसित पुस्तकें – Recommended Books:


1 तर्कशास्त्र का परिचय– अविनाश तिवारी, सरस्वती प्रकाशन, कूचा इलाहाबाद ।
2 तर्कशास्त्र को परिचय– आइ एम. कोपी, हिन्दी अनुवाद, संगम लाल पाण्डेय एशिया बुक कम्पनी इलाहाबाद
3. निगमन तर्क शास्त्र–, केदार नाम तिवारी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
4. तर्कशास्त्र की रूपरेखा– राज्यश्री अग्रवाल, मध्यप्रदेश हिन्दी अकादमी, भोपाल
5 An Introduction to Logic – I. M. Copi
6 Logic & Scientific Methods – Kohen & Negal.


28.04.17
Chairman

28-4-17

28/4/2017

28.4.17

28.4.17

A Pandey 28/4/17

28/04/2017

बी.ए. – तृतीय वर्ष –2019–2020

**B.A. Third Year - 2019-2020**

द्वितीय प्रश्न पत्रः धर्मदर्शन

## PAPER- II: Philosophy of Religion

इकाई 1– धर्म का अर्थ, धर्मदर्शन का स्वरूप एवं समस्यायें, मानव जीवन में धर्म के स्थान पर विभिन्न विचार, धर्म का दर्शन एवं विज्ञान से संबंध

Unit I- Meaning of Religion, Nature and Problems of Philosophy of Religion, Various Views on the place of Religion in Human life, Relation of religion with Philosophy and Science.

इकाई 2– धार्मिक अनुभव, रहस्यवाद, धार्मिक अनुभव का साधारण का अनुभव से अन्तर, धार्मिक विश्वास की प्रकृति, धर्म निरपेक्षता, धर्मान्तरण (धर्म परिवर्तन)

Unit II.-Religious experience, Mysticism, Distinction of Religious experience with ordinary experience, nature of religious belief, Secularism, Religious conversion,

इकाई 3– बुद्धि एवं अन्तः प्रज्ञा, आस्था, ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण, अनीश्वरवाद

Unit III- Intellect and Intuition, Faith, Proofs for the existence of God, Atheism.

इकाई 4– आत्मा की अमरता, मोक्ष एवं उसकी प्राप्ति के उपाय, अशुभ की समस्या एवं प्रकार।

Unit IV- Immortality of soul, Liberation and means for its attainment, Problems and kinds of Evil.

इकाई 5– स्वामी विवेकानन्द– सार्वभौम धर्म<br>
महात्मागाँधी – सर्वधर्म समभाव<br>
रवीन्द्रनाथ टैगोर – मानव धर्म

Unit V- Swami Vivekanand- Universal Religion<br>
Mahatma Gandhi – Sarvadharma Sambhava.<br>
Ravindranath Tagore- Religion of Man.

अंक वितरण(नियमित)

**Distribution of Marks (Regular)**

| | |
|---|---|
| 1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न | |
| Objective questions: | 5 X 1 = 5 |
| 2) लघु उत्तरीय प्रश्न | |
| Short answer questions: | 5 X 2½ = 12½ |
| 3) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | |
| Long answer questions: | 5 X 5 = 25 |
| Total: | 42 ½ |

अंक वितरण(स्वाध्यायी)

**Distribution of Marks (Private)**

| | |
|---|---|
| वस्तुनिष्ठ प्रश्न | |
| Objective questions: | 5 X 1 = 5 |
| लघु उत्तरीय प्रश्न | |
| Short answer questions: | 5 X 3 = 15 |
| दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | |
| Long answer questions: | 5 X 6 = 30 |
| Total: | 50 |

नोटः दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों में प्रत्येक 42 ½ अंकों का होगा तथा सतत् व्यापक मूल्यांकन 5 अंक त्रैमासिक एवं 10 अंक छः माही के होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्नपत्रों के कुल अंक 100 होंगे।

Note: The two Theory Papers will carry maximum marks 42½ each and CCE (05 marks quarterly and 10 marks half yearly) will be of 15 marks. Thus total of both papers will be of 100 marks.

अनुशंसित पुस्तकें – Recommended Books:


1. धर्मदर्शन– डॉ. लक्ष्मी निधि शर्मा, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, लखनऊ
2. धर्मदर्शन– डॉ. याकूब मसीह, मोतीलाल बनारसी दास, पटना।
3. धर्मदर्शन – डॉ. वेद प्रकाश वर्मा, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
4. धर्मदर्शन की समस्याएँ – डॉ. दुर्गा दत्त पाण्डेय, शेखर प्रकाशन इलाहाबाद।
5. धर्मदर्शन – डॉ. एच.एन. मिश्र, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. धर्मदर्शन – जे.पी. शाक्य, अशोक प्रकाशन, आगरा।
7. धार्मिक अनुभूति एवं रहस्यवाद – ज्योति स्वरूप दुबे, न्यु भारतीय बुक कार्पोरेशन, दिल्ली
8. Caird J. – Introduction to Philosophy of Religion
9. Hick, John - Philosophy of Religion
10. D.M. Edwards – The Philosophy of Religion
11. Devraj, N.K. - Philosophy of Religion and Culture (Motilal Banarasidas, Varanasi.


28.04.17 Chairman 28.4.17 28.4.17 28.4.17 28/04/2017 28/4/2017 28/4/17